मीठी सी, खुशबू मधुबन की दादी कुमारका
झरना हो सुख, शांति का और प्यार का-2
प्यार ही प्यार लुटाया दादी माँ
सत्यता, पवित्रता का हो झरना
बाबा, मम्मा को सदा फालो करते हो
पालना माँ की हमे देते रहते हो....
दादी माँ, ओ मेरी दादी माँ-2
1. हम तो थे कुछ भी नहीं,
तेरी दृष्टि से बने ब्रह्मा कुमार
तेरी दिव्य पालना को पा रहे सदा
तूने ही बनाया आप समान
क्लास में गूँजती वाणी की तरह
बाहो से देती तू निमंत्रण वतन का
दादी माँ, ओ मेरी दादी माँ-2
2. याद है हमे वो मंज़र
जब ली तूने हमसे विदाई
बाबा ने ही कहा था हमसे
स्थिर प्रग्यता की ली तूने समाधि
आज भी प्रकाश स्तंभ बन प्रकाश फैलाते
दादी प्रकाशमणि हम तुम्हे पुकारते
दादी माँ, ओ मेरी दादी माँ-2
मीठी सी, खुशबू मधुबन की दादी कुमारका
झरना हो सुख, शांति का और प्यार का-2

सत्यता, पवित्रता का हो झरना
बाबा, मम्मा को सदा फालो करते हो
पालना माँ की हमे देते रहते हो....
दादी माँ, ओ मेरी दादी माँ-2